अंक योजना **अति गोपनीय** **(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)** **सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 X)** **विषय – सामाजिक विज्ञान (087)** **पेपर कोड– 32/1/2**

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1. उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2. प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3. किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4. यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5. परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्र–ति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह्न नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।

8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्यांकन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने ....80....... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँ: • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोक, पी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

MARKING SCHEME
Social Science (Subject Code- 087)
(PAPER CODE: 32/1/2) 2026 Set - 2

अधिकतम अंक 80

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्य बिंदू	पृष्ठ संख्या	अंक
	खण्ड- क **इतिहास**		*20*
1.	(C) बाल गंगाधर तिलक – केसरी	**127**	**1**
2.	(D) राजा रवि वर्मा **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (D) पंजाब	**123** **125**	**1** **1**
3.	(A) दोनों, (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।	**55**	**1**
4.	(C) II, IV, I और III	**31, 32, 40 & 44**	**1**
5.	**(A) सोलहवीं शताब्दी से पहले भूमंडलीकरण किस प्रकार शुरू हुआ था? स्पष्ट कीजिए।** (i) भूमंडलीकरण की शुरुआत मुख्य रूप से सिल्क रूट (रेशम मार्ग) के माध्यम से हुई। (ii) भूमंडलीकरण व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से फैला। (iii) सिल्क मार्ग दूर-दराज़ क्षेत्रों के बीच होने वाले प्राचीन व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क का एक अच्छा उदाहरण है। (iv) इतिहासकारों ने कई सिल्क मार्गों की पहचान की है, जो स्थल मार्ग और समुद्री मार्ग दोनों से जुड़े थे। ये मार्ग एशिया के विशाल क्षेत्रों को आपस में जोड़ते थे और एशिया को यूरोप तथा उत्तरी अफ्रीका से भी जोड़ते थे। (v) प्रारंभिक ईसाई मिशनरी इसी मार्ग से एशिया पहुँचे, और कुछ सदियों बाद प्रारंभिक मुस्लिम उपदेशक भी इसी मार्ग से यात्रा करते थे। (vi) इससे भी बहुत पहले, बौद्ध धर्म का उद्भव पूर्वी भारत में हुआ और यह सिल्क मार्ग के विभिन्न शाखाओं के माध्यम से कई दिशाओं में फैल गया। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।** **अथवा** **(B) पूर्व-आधुनिक विश्व में व्यापार ने बीमारियों को फैलाने में किस प्रकार मदद की? स्पष्ट कीजिए।** (i) स्पेनिश विजेताओं के सबसे शक्तिशाली हथियारों में परंपरागत किस्म के सैनिक हथियार नहीं थे । यह हथियार चेचक जैसे कीटाणु थे जो स्पेनिश सैनिकों और अफसरों के साथ वहां जा पहुंचे थे ।	**54** **55**	**2x1= 2** **2x1= 2**

	(ii) लाखों साल से दुनिया से अलग थलग रहने के कारण अमेरिका के लोगों के शरीर में यूरोप से आने वाली इन बीमारियों से बचने की रोग प्रतिरोधी क्षमता नहीं थी। (iii) फलस्वरूप इस नए स्थान पर चेचक एक बहुत मारक साबित हुई। एक बार संक्रमण शुरू होने के बाद तो यह बीमारी पूरे महाद्वीप में फैल गई। (iv) जहाँ यूरोपीय लोग नही पहुंचे थे वहां के लोग भी इसकी चपेट में आने लगे । इसने पूरे -के -पूरे समुदायों को ख़त्म कर डाला और इस तरह घुसपैठियों की जीत का रास्ता आसान होता चला गया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
6.	**(A) यूरोप में मुद्रण संस्कृति के प्रसार में योहान गुटेनबर्ग की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (i) गुटेनबर्ग ने पत्थर पर पॉलिश लरने की कला सीखी फिर सुनारी और फिर आभूषण बनाने के साँचे (मोल्ड) तैयार करने का ज्ञान भी प्राप्त किया। (ii) अपने इस ज्ञान और अनुभव का इस्तेमाल अपने नये आविष्कार में किया। (iii) उन्होंने जो पहली पुस्तक छापी, वह बाइबिल थी और इसकी 180 प्रतियाँ छापी गईं। (iv) मुद्रण प्रेस का विकास हुआ और यूरोप में पुस्तकों का उत्पादन तेजी से बढ़ा। (v) उनकी इस खोज ने मुद्रण क्रांति (प्रिंट रिवोल्यूशन) को जन्म दिया। (vi) प्रोटेस्टेंट सुधार आंदोलन और पढ़ने का जूनून (रीडिंग मेनिया) मुद्रण क्रांति के महत्वपूर्ण परिणाम थे। (vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा**	**109**	**3x1= 3**
	(B) प्रोटेस्टेंट धर्म-सुधार आंदोलन के विस्तार में मुद्रण की भूमिका की व्याख्या कीजिए। (i) धर्म सुधारक मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की आलोचना करते हुए अपनी 'पिच्चानवे स्थापनाएँ' लिखी। (ii) इसकी एक छपी प्रति विटेनबर्ग के गिरिजाघर के दरवाज़े पर टांगी गई । इसमें लूथर ने चर्च को शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दी थी । (iii) अचानक लूथर के लेख बड़ी तादात में छपे और पढ़े जाने लगे । (iv) इसके परिणामस्वरूप चर्च में विभाजन हो गया और प्रोटेस्टेंट धर्म सुधार की शुरुआत हुई । (v) कुछ ही हफ़्तों में न्यू टेस्टामेंट के अनुवाद की बहुत सी प्रतियाँ बिक गईं, और तीन महीने के अंदर दूसरा संस्करण निकालना पड़ा । (vi) छपाई ने एक नया बौद्धिक माहौल बनाया और इससे धर्म सुधार आन्दोलन के नए विचारों के प्रसार में मदद मिली । (vii) मुद्रण के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लूथर ने कहा, "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है, सबसे बड़ा तोहफा है ।" (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**112**	**3x1= 3**

7.	**(A) "राष्ट्र के विचार के निर्माण में संस्कृति ने एक अहम भूमिका निभाई I" अठारहवीं शताब्दी के यूरोप के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) अठारहवीं शताब्दी में, यूरोप में राष्ट्रवादी भावना के विकास में कला, काव्य, कहानियो, किस्सों और संगीत के माध्यम से संस्कृति ने एक अहम भूमिका निभाई। (ii) रूमानीवाद एक ऐसा सांस्कृतिक आन्दोलन था जो एक खास तरह की राष्ट्रीय भावना का विकास करना चाहता था। (iii) रूमानी कलाकारों और कवियों ने तर्क-वितर्क और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की और उसकी जगह भावनाओं, अंतर्दृष्टि और रहस्यवादी भावनाओं पर ज़ोर दिया । (iv) उनका प्रयास था कि एक साझा सामूहिक विरासत की अनुभूति और एक साझा सांस्कृतिक अतीत को राष्ट्र का आधार बनाया जाए । (v) राष्ट्र की सच्ची आत्मा लोक गीतों, जन-काव्यों और लोक नृत्यों से प्रकट होती थी। (vi) लोकसंस्कृति के इन स्वरूपों को एकत्र और अंकित करना राष्ट्र के निर्माण की परियोजना के लिए आवश्यक था। (vii) स्थानीय बोलियों पर बल और स्थानीय लोकसाहित्य को एकत्र करने का उद्देश्य केवल प्राचीन राष्ट्र भावना को वापस लाना नहीं था, बल्कि आधुनिक राष्ट्र संदेश ज्यादा लोगो तक पंहुचाना था जिनमे से बहुत से लोग अशिक्षित थे । (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किसी भी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।** **अथवा** **(B) "ज्युसेप मेत्सिनी ने इटली के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई I" इस कथन की परख कीजिए।** (i) ज्युसेप मेत्सिनी का जन्म 1807 में जेनोआ में हुआ था और वह कार्बोनारी के गुप्त संगठन का सदस्य बन गया । वह क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा । (ii) 24 साल की युवावस्था में, लिगुरिया में क्रांति करने के लिए उसे बहिष्कृत कर दिया गया । तत्पश्चात उसने दो और भूमिगत संगठनों की स्थापना की । पहला, मार्सेई में 'यंग इटली' और दूसरा बर्न में 'यंग यूरोप '। (iii) मेत्सिनी का विश्वास था कि ईश्वर की मर्ज़ी के अनुसार राष्ट्र ही मनुष्यों की प्राकृतिक इकाई थी । (iv) 1830 के दशक में ज्युसेप मेत्सिनी ने एकीकृत ईतालवी गणराज्य के लिए एक सुविचारित कार्यक्रम प्रस्तुत करने की कोशिश की थी । (v) इटली छोटे राज्यों और प्रदेशों के पैबन्दों के जैसे नहीं रह सकता था । उसे जोड़ कर राष्ट्रों के व्यापक गठबंधन के अंदर एकीकृत गठबंधन बनना ही था । (vi) यह एकीकरण ही इटली की मुक्ति का आधार हो सकता था । (vii) उसके इस मॉडल के देखा-देखी जर्मनी, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड और पोलैंड में गुप्त संगठन बनाए गए । (viii) उनकी राष्ट्रवादी दृष्टि ने सार्डिनिया-पिडमोंट के प्रयासों को प्रभावित किया, जिसका नेतृत्व राजा विक्टर इमैनुएल द्वितीय ने किया, जिन्होंने बाद में युद्ध के माध्यम से इटली के राज्यों का एकीकरण किया। (ix) मेत्सिनी के सिद्धांतों ने सशस्त्र स्वयंसेवकों को भी प्रेरित किया। ज्युसेपे गैरीबॉल्डी के नेतृत्व में भारी संख्या में सशस्त्र स्वयंसेवकों ने इस युद्ध में हिस्सा लिया । 1860 में वे दक्षिणी इटली और दो सिसिलियों के राज्य में प्रवेश कर	13, 14, 15 12, 20, 21	5x1=5 5x1=5

<table>
<tr><td></td><td>गए और स्पेनिश शासकों को हटाने के लिए स्थानीय किसानों का समर्थन पाने में सफल रहे ।
(x) ज्युसेप मेत्सिनी ने इटली के एकीकरण के लिए वैचारिक और संगठनात्मक आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
(xi) कोई अन्य संबंधित बिंदु।

किसी भी पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>8.</td><td>दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

"क्रांति की इस पूजा-वेदी पर हम अपना यौवन नैवेद्य के रूप में लाए हैं"
बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता था। 1928 में दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला मैदान में हुई बैठक में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच.एस.आर.ए.) की स्थापना की गई। इस बैठक में कई नौजवान नेता, जिनमें भगत सिंह आदि भी शामिल थे। देश के विभिन्न भागों में क्रांतिकारियों के एच.एस.आर.ए. ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन को विस्तार दिया।
1929 में जब सिंह और उनके सहयोगी बटुकेश्वर दत्त ने सेंट्रल असेम्बली में बम फेंका तो उसी साल उस वक्त उड़ान पर उड़ान का आयोजन किया जिसमें लार्ड इरविन यात्रा कर रहे थे। जिस समय भगत सिंह पर मुकदमा चला और उन्हें फांसी दी गई उस समय उनकी उम्र केवल 23 वर्ष थी। अपने मुकदमे के दौरान भगत सिंह ने कहा था कि बम और पिस्तौल क्रांति नहीं करते, बल्कि क्रांति की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है।
"क्रांति मानवजाति का जन्मसिद्ध अधिकार है जिसका अपहरण नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। श्रमिक वर्ग ही समाज का वास्तविक पोषक है। जनता की सर्वोच्च सत्ता की स्थापना श्रमिक वर्ग का अंतिम लक्ष्य है। इन आदर्शों के लिए और इस विश्वास के लिए हमें जो भी दंड दिया जाएगा, हम उसका सहर्ष स्वागत करेंगे। क्रांति ही इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को समाप्त कर सकती है। क्रांति के इस पावन ध्येय के लिए हम अपने यौवन का नैवेद्य समर्पित करते हैं।"

8.1 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' का गठन भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ क्यों माना जाता है? 1

(i) बहुत सारे राष्ट्रवादियों को लगता था कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष अहिंसा के जरिए पूरा नहीं हो सकता।
(ii) इससे युवा क्रांतिकारियों के नए नेतृत्व का उदय हुआ।
(iii) इसने राष्ट्रवादी भावना के प्रसार में सहायता की।
(iv) इसने राष्ट्रीय भावनाओं को प्रोत्साहित किया और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया।
(v) कोई अन्य संबंधित बिंदु।
किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।

8.2 भगत सिंह के मुक़दमे के भाषणों ने उन्हें एक क्रांतिकारी से स्वतंत्रता के दार्शनिक में कैसे बदल दिया? 1

(i) भगत सिंह ने कहा था कि वे 'बम और पिस्तौल' की उपासना नहीं करते बल्कि समाज में क्रांति चाहते हैं।
(ii) भगत सिंह की व्यापक दृष्टि समाज, राजनीति और संस्कृति के क्षेत्रों में परिवर्तन लाने वाली थी।
(iii) वे समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाना चाहते थे।
(iv) उन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्रवाद का महिमामंडन किया।
(v) उनके भाषणों में स्वतंत्रता, न्याय और सामाजिक समानता के विचारों की चर्चा होती थी, जो स्वतंत्रता से जुड़े दार्शनिक विचारों को व्यक्त करते थे।
(vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु।

किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है ।</td><td>41</td><td>1+1+2=4</td></tr>
</table>

	8.3 भगत सिंह ने अपनी पीढ़ी के लिए 'क्रांति' के अर्थ को किस प्रकार पुनर्परिभाषित किया? स्पष्ट कीजिए। 2x1=2 (i) वह मानते थे कि क्रांति मनुष्य का अहरणीय अधिकार है। (ii) वह मानते थे कि स्वतंत्रता मानवजाति का अपरिहार्य जन्मसिद्ध अधिकार है। (iii) वे चाहते थे कि युवा राष्ट्र की स्वतंत्रता के उद्देश्य के लिए त्याग करें। (iv) वे क्रांति की कामना करते थे । (v) 'इंक़लाब ज़िंदाबाद!' का नारा भारतीयों में स्वतंत्रता की भावना जगाने के लिए इस्तेमाल किया गया। (vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
9.	**(कृपया संलग्न मानचित्र को देखें ।)** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9 के स्थान पर है :** **A. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ 13 अप्रैल, 1919 को जनरल डायर ने एक शांतिपूर्ण सभा पर गोली चलाने के आदेश दिए थे।** जलियाँवाला बाग/अमृतसर **B. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ सन् 1927 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।** मद्रास/चेन्नई	**32**	**1+1=2** 1 1
	खंड ख **भूगोल**		***20***
10.	(B) मानस-असम	**15**	**1**
11.	(D) भौतिक और मानवीय कारक	**4**	**1**
12.	(C) अलौह खनिज	**43, 44**	**1**
13.	(C) I -(c), II-(d), III-(a), IV-(b)	**30, 31**	**1**
14.	(C) उत्तराखंड	**16**	**1**
15.	(B) लैटेराइट मृदा	**9**	**1**
16.	**बेहतर उत्पादकता और जैविक खेती के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) जैविक खाद और कंपोस्ट का उपयोग मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है। (ii) फसलों को प्राकृतिक रूप से आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। (iii) विभिन्न फसलों को क्रमबद्ध रूप से उगाना, कीटों की समस्या कम करता है। (iv) जैविक कीट नियंत्रण प्राकृतिक और जैविक कीटनाशकों के द्वारा बिना हानिकारक रसायनों के प्रयोग से फसलों की रक्षा करता है । (v) फसल चक्र के उपयोग से मृदा की उत्पादकता में वृद्धि करना ।	**38**	**2x1=2**

	(vi) ड्रिप सिंचाई का उपयोग करना। (vii) मेंढ़ बनाना । (viii)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
17.	**(A) "खनिज हमारे जीवन का अति अनिवार्य भाग है।" इस कथन को न्यायसंगत ठहराइये।** (i) लगभग हर चीज़ जो हम इस्तेमाल करते हैं -एक छोटी सुई से लेकर एक बड़ी इमारत तक या फिर एक बड़ा जहाज़ आदि सभी खनिजों से बने हैं । (ii) रेलवे लाइन और सड़क के पत्थर, हमारे औजार और मशीनें सभी खनिजों से बने हैं । (iii) कारें, बसें, रेलगाड़ियाँ, हवाईजहाज़ सभी खनिजों से निर्मित हैं और धरती से प्राप्त ऊर्जा के साधनों द्वारा चालित होते हैं । (iv) यहाँ तक कि भोजन, जिन्हे हम खाते हैं, में भी खनिज होते हैं । (v) मनुष्य ने विकास की सभी अवस्थाओं में - अपनी जीविका तथा सजावट, त्योहारों और धार्मिक अनुष्ठान के लिए खनिजों का प्रयोग किया है। (vi) खनिज औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि वे विभिन्न निर्माण प्रक्रियाओं के लिए कच्चा माल प्रदान करते हैं। (vii) खनिजों की उपलब्धता रोज़गार उत्पन्न करके और निर्यात में योगदान देकर आर्थिक विकास करती हैं । (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**42**	**5x1=5**
	अथवा **(B) "ऊर्जा परिदृश्य को बदलने में सौर ऊर्जा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।" इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** (i) भारत में प्रचुर मात्रा में सूर्य का प्रकाश, जल, पवन और बायोमास उपलब्ध है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के विकास के लिए यह आदर्श बनता है। (ii) भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है । यहाँ सौर ऊर्जा के दोहन की असीम संभावनाएँ हैं । (iii) फोटोवोल्टाइक प्रौद्योगिकी द्वारा धूप को सीधे विद्युत् में परिवर्तित किया जाता है। (iv) भारत के ग्रामीण तथा सुदूर क्षेत्रों में सौर ऊर्जा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। (v) कुछ बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र देश के विभिन्न भागों में स्थापित किए जा रहे हैं । ऐसी अपेक्षा है कि सौर ऊर्जा के प्रयोग से ग्रामीण घरों में उपलों तथा लकड़ी पर निर्भरता को न्यूनतम किया जा सकेगा। (vi) यह परिवर्तन वनों की कटाई और प्रदूषण को कम करके पर्यावरण संरक्षण में सहायता करता है। (vii) इससे कृषि के लिए जैविक खाद की पर्याप्त आपूर्ति भी सुनिश्चित होती है, क्योंकि गोबर का पूरा उपयोग अब ईंधन के रूप में नहीं किया जाता। (viii) समग्र रूप से, सौर ऊर्जा स्वच्छ, टिकाऊ और सुलभ बिजली प्रदान करके भारत के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में ऊर्जा के परिदृश्य को बदल रही है। (ix) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**54**	**5x1=5**

18.	*दिए गए स्रोतों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :* ***बाढ़*** ***बाढ़ के समय लिए जाने वाले महत्त्वपूर्ण सुरक्षा उपाय :*** • *मौसम के ताजा बुलेटिन और बाढ़ की चेतावनियों के लिए रेडियो/टीवी सुनें। यह जानकारी दूसरों तक भी पहुँचाएँ।* • *एक प्राथमिक आपातकालीन किट तैयार रखें, जिसमें पोर्टेबल रेडियो/टॉर्च, अतिरिक्त बैटरियाँ, प्राथमिक उपचार बॉक्स व आवश्यक दवाइयाँ, ओआरएस, सूखा भोजन, पीने का पानी, मोमबत्तियाँ, माचिस और अन्य जरूरी सामान शामिल हों।* • *अपने घर में हरिकेन लैम्प, रस्सियाँ, रबड़ ट्यूब, छाता और बाँस की छड़ी रखें। ये उपयोगी हो सकते हैं।* • *नकद धनराशि, गहने, कीमती सामान और महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ सुरक्षित स्थान पर रखें।* • *बाढ़ आने की स्थिति में परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे राहत शिविर, निकासी केन्द्र या ऊँचे मैदानों पर चले जाएँ और वहाँ शरण लें।* • *घर छोड़ने से पहले बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें।* ***बाढ़ के दौरान*** • *बाढ़ के पानी में प्रवेश न करें, यह खतरनाक हो सकता है।* • *बच्चों को बाढ़ के पानी में या उसके आसपास न खेलने दें।* • *सीवर लाइन, नालियों, ड्रेनों और कलवर्ट्स से दूर रहें।* • *साँपों से सावधान रहें, बाढ़ के समय साँप के काटने की घटनाएँ आम होती हैं।* • *बिजली के खंभों और गिरी हुई तारों से दूर रहें ताकि करंट से बचा जा सके।* • *गीले विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें, उपयोग से पहले उनकी जाँच कराएँ।* • *ताज़ा पका हुआ और सूखा भोजन खाएँ। भोजन को हमेशा ढककर रखें।* • *उबला और छना हुआ पानी ही पिएँ।* • *घर के आसपास की नालियाँ और गटर साफ रखें।* • *पानी का जमाव मच्छरों और जल-जनित बीमारियों को जन्म दे सकता है। बीमार पड़ने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।* • *आसपास की सफाई और कीटाणुनाशन के लिए ब्लीचिंग पाउडर और चूने का उपयोग करें।* **18.1 बाढ़ के बाद पानी का उपयोग करने से पहले कोई एक सावधानी सुझाइए। 1** (i) पानी पीने से पहले उबालें। (ii) छना हुआ पानी पिएँ। (iii) पानी को कीटाणु-मुक्त करें। (iv) साफ और ढके हुए बर्तन का उपयोग करें। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु का वर्णन अपेक्षित है ।** **18.2 बाढ़ के दौरान खाद्य सामग्री सुरक्षा संबंधित किन्हीं दो उपायों का उल्लेख कीजिए। ½ + ½ = 1** (i) ताज़ा पका हुआ और सूखा भोजन खाएँ। (ii) हमेशा अपने भोजन को ढँक कर रखें। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है ।**	25	1+1+2=4

	18.3 बाढ़ की चेतावनी के दौरान घर से निकलने से पहले के कोई दो उपाय सुझाइए। 2x1=2 (i) मौसम के ताज़ा बुलेटिन और बाढ़ चेतावनियों के लिए रेडियो/टीवी सुनें। (ii) एक पारिवारिक आपातकालीन किट तैयार रखें। (iii) यह जानकारी दूसरों तक भी पहुँचाएँ। (iv) नकद धनराशि, गहने, कीमती सामान और महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ सुरक्षित स्थान पर रखें। (v) बाढ़ आने की स्थिति में परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे राहत शिविर, निकासी केन्द्र या ऊँचे मैदानों पर चले जाएँ और वहाँ शरण लें। (vi) घर छोड़ने से पहले बिजली और गैस कनेक्शन बंद कर दें। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है ।**		
19.	**(कृपया संलग्न मानचित्र को देखें।)** **नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर है। किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए **:** **19.1 उस बांध का नाम लिखिए जो महानदी पर स्थित है।** हीराकुड बाँध **19.2 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ उत्तर प्रदेश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है।** नरोरा **19.3 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महाराष्ट्र में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थित है।** पुणे/ मुंबई **19.4 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गुजरात में प्रमुख समुद्री पत्तन अवस्थित है।** कांडला		**1+1+1=3** 1 1 1 1
	खंड ग **राजनीति विज्ञान**		***20***
20.	(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।	**2**	**1**
21.	(B) I, III और IV सही है।	**24**	**1**
22.	(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	**54 -56**	**1**
23.	(C) बहु-कार्य और समर्पण **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (C) नारीवाद	**31** **32**	**1** **1**
24.	**संघवाद की किन्हीं दो विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) संघवाद में सरकार दो या अधिक स्तरों वाली होती हैं। (ii) अलग-अलग स्तर की सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती हैं पर कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का उनका अपना-अपना अधिकार-क्षेत्र होता है।	**15**	**2x1=2**

	(iii) विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार-क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित हैं इसलिए, संविधान सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा देता है । (iv) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती । ऐसे बदलाव दोनों स्तर की सरकारों की सहमती से ही हो सकते हैं । (v) अदालतों को संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार है। (vi) वित्तीय स्वायत्तता निश्चित करने के लिए विभिन्न स्तर की सरकारों के लिए राजस्व के अलग-अलग स्रोत निर्धारित हैं । (vii) इस प्रकार संघीय शासन की व्यवस्था के दोहरे उद्देश्य हैं: देश की एकता की सुरक्षा करना और उसे बढ़ावा देना तथा इसके साथ ही क्षेत्रीय विविधता का पूरा सम्मान करना। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
25.	**महिलाओं को व्यवसाय में नए कौशल सीखने के लिए प्रेरित करने के कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) महिलाओं के ज्ञान और उद्यमिता के लिए नये कौशल की प्राप्ति के लिए उनके शैक्षिक अवसरों में वृद्धि किया जाए। (ii) महिलाओं के लिए बेहतर आजीविका के अवसर प्रदान किए जाएँ, जिससे वे आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकें और अपने स्वयं के उद्यम शुरू कर सकें। (iii) सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़े और नेतृत्व क्षमता का विकास हो। (iv) लैंगिक समानता के लिए जागरूकता फैलायी जाए जिससे महिलाओं को शिक्षा और रोज़गार में समान अवसर मिल सके। (v) महिला सशक्तिकरण का समर्थन किया जाए, ताकि महिलाएँ आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन सकें और उद्यमिता के लिए नए कौशल प्राप्त करने के लिए प्रेरित हों। (vi) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**30,31**	**2x1=2**
26.	**"लोकतंत्र में राजनीतिक दल अनेक कार्य करते हैं।" इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं। (ii) राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को रखते हैं। (iii) वे तरह-तरह के विचारों को कुछ बुनियादी राय तक समेट लाते हैं। सरकार प्रायः शासकदल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती हैं। (iv) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। (v) पार्टियाँ नेताओं को चुनती हैं, उनको प्रशिक्षित करती हैं और उन्हें मंत्री बनाती हैं ताकि वे सरकार चला सकें। (vi) चुनाव हारने वाले दल शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं । सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते हैं। विपक्षी दल सरकार के खिलाफ आम जनता को भी गोलबंद करते हैं ।	**48, 49**	**3x1=3**

	(vii) जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । वे मुद्दों को उठाते हैं और उनपर बहस करते हैं। समाज के विभिन्न वर्गों में उनके मित्र संगठन या दबाव समूह भी काम करते रहते हैं । (viii) राजनीतिक दल ही सरकारी मशीनरी और सरकार द्वारा चलाये जाने वाले कल्याण कार्यक्रमों तक लोगों की पहुँच बनाते हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**		
27.	**(A) "लोकतंत्र गहन मूल्यों वाली वैध सरकार है।" इस कथन की परख कीजिए।** (i) एक लोकतांत्रिक सरकार को वैध सरकार माना जाता है क्योंकि यह जनता के द्वारा बनाई जाती है। (ii) लोकतंत्र उचित प्रक्रियाओं और नियमों का पालन करता है। (iii) एक लोकतांत्रिक सरकार जनता की अपनी सरकार होती है, क्योंकि शासकों का चयन नागरिकों द्वारा चुनाव के माध्यम से किया जाता है। (iv) पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार के प्रति जबरदस्त समर्थन का भाव है। (v) लोग उन प्रतिनिधियों द्वारा शासन पसंद करते हैं जिन्हें उन्होंने स्वयं चुना होता है। (vi) लोकतांत्रिक देश के नागरिक यह भी मानते हैं कि लोकतंत्र उनके देश के लिए उपयुक्त है और उनके हितों की रक्षा करता है। (vii) अपने लिए समर्थन पैदा करने की लोकतंत्र की क्षमता इसके गहरे मूल्य और वैधता को दर्शाता है। (viii) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।** **अथवा**	**66**	**5x1=5**
	(B) "शिकायतें स्वयं लोकतंत्र की सफलता का परिणाम हैं।" इस कथन की परख कीजिए। (i) लोकतंत्र में लोगों की अपेक्षाएँ अधिक होती हैं और कई शिकायतों का अम्बार होता है । (ii) शिकायतों का बने रहना भी लोकतंत्र की सफलता की गवाही देता है । (iii) यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अधिकारों और व्यवस्था के प्रति जागरूकता विकसित हो गई है। (iv) लोगों में सत्ता में बैठे लोगों के कामकाज का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित हो गई है। (v) लोकतंत्र के कामकाज से लोगों का असंतोष जताना लोकतंत्र की सफलता को बताता है। यह लोगों के प्रजा से नागरिक बनने की गवाही भी देता है। (vi) अधिकांश लोग मानते हैं कि सरकार की चाल-ढाल पर उनके वोट का असर पड़ता है। (vii) वे सभी यह महसूस करते हैं कि उनकी भागीदारी उनके अपने हितों को प्रभावित करती है। (viii) लोकतंत्र में यह क्षमता होती है कि वह लोगों के बीच अपने लिए समर्थन स्वयं उत्पन्न कर सके, जो उसके गहरे मूल्यों और वैधता को दर्शाता है। (ix) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।**	**72**	**5x1=5**

28.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **सत्ता की भागीदारी** *सत्ता के बँटवारे का एक रूप हम विभिन्न प्रकार के दबाव समूह और आंदोलनों द्वारा शासन को प्रभावित और नियंत्रित करने के तरीके में भी लक्ष्य कर सकते हैं। लोकतंत्र में लोगों के सामने सत्ता के दावेदारों के बीच चुनाव का विकल्प ज़रूर रहना चाहिए। समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में यह विकल्प विभिन्न पार्टियों के रूप में उपलब्ध होता है। पार्टियाँ सत्ता के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करती हैं। पार्टियों की यह आपसी प्रतिद्वंद्विता ही इस बात को सुनिश्चित कर देती है कि सत्ता एक व्यक्ति या समूह के हाथ में न रहे। एक बड़ी समयावधि पर गौर करें तो पाएँगे कि सत्ता बारी-बारी से अलग-अलग विचारधारा और सामाजिक समूहों वाली पार्टियों के हाथ आती-जाती रहती है। कई बार सत्ता की यह भागीदारी एकदम प्रत्यक्ष दिखती है क्योंकि दो या अधिक पार्टियाँ मिलकर चुनाव लड़ती हैं या सरकार का गठन करती हैं। लोकतंत्र में हम व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई संगठित हित समूहों को भी सक्रिय देखते हैं। सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करके या नीतियों पर अपने सदस्य वर्ग के लाभ के लिए दबाव बनाकर ये समूह भी सत्ता में भागीदारी करते हैं।* **28.1 दबाव समूह सरकार को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? 1** (i) दबाव समूह सरकारी समितियों में विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। (ii) ये जनता में विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं। (iii) ये निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु का विवरण अपेक्षित है ।** **28.2 सत्ता की साझेदारी में सामाजिक समूह किस प्रकार लाभान्वित होते है? 1** (i) विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे भाषाई और सांस्कृतिक समूहों के हितों की सुरक्षा। (ii) अल्पसंख्यकों का उचित प्रतिनिधित्व। (iii) मतभेदों का कम होना । (iv) स्थिरता सुनिश्चित करता है। (v) सामाजिक रूप से कमज़ोर वर्ग और महिलाएँ विधानमंडल और प्रशासन में प्रतिनिधित्व पाती हैं । (vi) हमारे देश की राज्य विधानसभाओं और संसद में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की प्रणाली सरकार में विविध सामाजिक समूहों जो स्थान देती है । (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु का विवरण अपेक्षित है ।** **28.3 सत्ता की साझेदारी में नागरिकों के योगदान की व्याख्या कीजिए। 2x1=2** (i) सरकारी समितियों और शाखाओं में भाग लेकर। (ii) निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित कर। (iii) हित समूहों या नागरिक समाज संगठनों में भाग लेकर। (iv) सरकार की गतिविधियों की निगरानी करके। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।**	**9**	**1+1+2=4**
	खंड घ **अर्थशास्त्र**		***20***
29.	(A) 7 वर्ष	**10**	**1**

<table>
<tr><td>30.</td><td>(D) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम</td><td>13</td><td>1</td></tr>
<tr><td>31.</td><td>(C) व्यापार पर से प्रतिबंध हटाना</td><td>64</td><td>1</td></tr>
<tr><td>32.</td><td>(B) नजदीकी राष्ट्रीयकृत बैंक</td><td>43</td><td>1</td></tr>
<tr><td>33.</td><td>(C) a-(iii), b-(iv), c-(ii), d-(i)</td><td>33, 34</td><td>1</td></tr>
<tr><td>34.</td><td>(C) 82</td><td>12</td><td>1</td></tr>
<tr><td>35.</td><td>“नई प्रौद्योगिकी ने दुनिया को आपस में जुड़ने में सहायता की है।" इस कथन को उपयुक्त तर्कों द्वारा न्यायसंगत ठहराइये।

(i) प्रौद्योगिकी में तेजी से सुधार ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया है।
(ii) परिवहन प्रौद्योगिकी में सुधार ने लंबी दूरी पर वस्तुओं की शीघ्र वितरण को कम लागत में संभव बनाया।
(iii) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में विकास, विशेष रूप से दूरसंचार, कंप्यूटर और इंटरनेट ने दुनिया को आपस में जुड़ने में सहायता की है एवम जानकारियों तक त्वरित पहुँच बनाने में मदद करती है।
(iv) इसका उपयोग दुनिया भर में एक-दूसरे से संपर्क करने, जानकारी तुरंत प्राप्त करने और दूरदराज़ के क्षेत्रों से संवाद करने के लिए किया जाता है।
(v) उपग्रह संचार उपकरणों ने वैश्विक संचार और जानकारी साझा करने को आसान बनाया है।
(vi) कंप्यूटर अब लगभग हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, जिससे सूचना प्रबंधन और संचार आसान हो गया है।
(vii) इंटरनेट हमें लगभग किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त करने और साझा करने, तुरंत इलेक्ट्रॉनिक डाक(e-mail) भेजने और दुनिया भर में वाणी संदेश (voice-mail) या संवाद करने की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी लागत नगण्य होती है।
(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

किन्ही तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।</td><td>62, 63</td><td>3x1=3</td></tr>
<tr><td>36.</td><td>भारतीय रिज़र्व बैंक और अन्य वाणिज्यिक बैंकों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
<table>
<tr><th>भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)</th><th>वाणिज्यिक बैंक</th></tr>
<tr><td>(i) भारतीय रिज़र्व बैंक ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्य प्रणाली पर नज़र रखता है।</td><td>(i) वाणिज्यिक बैंक जनता से जमा (डिपॉज़िट) स्वीकार करते हैं और ऋण प्रदान करते हैं।</td></tr>
<tr><td>(ii) यह सुनिश्चित करता है कि बैंक अपनी जमा राशि का एक न्यूनतम नकद भंडार बनाए रखें।</td><td>(ii) वे जो जमा राशि प्राप्त करते हैं उसमें से न्यूनतम नकद भंडार बनाए रखते हैं।</td></tr>
<tr><td>(iii) भारतीय रिज़र्व बैंक यह भी सुनिश्चित करता है कि बैंक केवल लाभ कमाने वाले व्यापारियों और व्यवसायों को ही नहीं बल्कि छोटे किसानों, लघु उद्योगों और छोटे</td><td>(iii) वे व्यवसायों, व्यापारियों, छोटे किसानों, लघु उद्योगों और अन्य उधारकर्ताओं को ऋण प्रदान करते हैं।</td></tr>
</table></td><td>48</td><td>3x1=3</td></tr>
</table>

	<table><tr><td>उधारकर्ताओं को भी ऋण दें।</td><td></td></tr><tr><td>(iv) यह वाणिज्यिक बैंकों के कार्यों का नियमन और नियंत्रण करता है।</td><td>(iv) वे भारतीय रिज़र्व बैंक के नियमों और निगरानी के अंतर्गत कार्य करते हैं।</td></tr><tr><td>(v) भारतीय रिज़र्व बैंक, बैंकों से समय-समय पर यह जानकारी प्राप्त करता है कि वे कितना ऋण दे रहे हैं, किसे दे रहे हैं और किस ब्याज दर पर दे रहे हैं।</td><td>(v) ये बैंक अपने लेन-देन की गतिविधियों और ब्याज दरों की नियमित सूचना भारतीय रिज़र्व बैंक को देते हैं।</td></tr><tr><td>(vi) भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्र सरकार की ओर से मुद्रा (करेंसी) जारी करने का कार्य करता है।</td><td>(vi) वाणिज्यिक बैंक मुद्रा जारी नहीं करते।</td></tr><tr><td>(vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु ।</td><td>(vii) कोई अन्य संबंधित बिंदु ।</td></tr></table> **कोई तीन अंतर बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
37.	**विकास की धारणीयता क्यों आवश्यक है ? उदहारणों सहित स्पष्ट कीजिए।** (i) सतत् विकास पर्यावरण के अनुकूल आर्थिक विकास है। (ii) भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है। (iii) संसाधनों का उपयोग उनकी उपलब्धता के अनुसार किया जाना चाहिए। (iv) सतत् और विवेकपूर्ण तरीके से वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए। (v) सतत् विकास के लिए वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, दार्शनिक और अन्य सामाजिक वैज्ञानिक मिलजुल कर काम कर रहे हैं। (vi) भूमिगत जल नवीकरणीय साधन का उदाहरण है। फसल और पौधों की तरह इन साधनों की पुनः पूर्ति प्रकृति करती है। (vii) हम सब का भविष्य तेजी से समाप्त हो रहे संसाधनों से जुड़ा है । (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है ।**	**14, 15, 16**	**3x1=3**
38.	**(A) शहरी क्षेत्रों में रोज़गार बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का वर्णन कीजिए।** (i) सरकार विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के शहरी इलाकों में आय और रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए क्षेत्रीय उद्योगों और पर्यटन को प्रोत्साहित कर रही है। (ii) पर्यटन, क्षेत्रीय हस्तशिल्प उद्योगों और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी नई सेवाओं के लिए सरकार द्वारा उचित योजना और सहयोग प्रदान किया जाता है। (iii) योजना आयोग के एक अध्ययन के अनुसार, पर्यटन क्षेत्र में सुधार से हर वर्ष 35 लाख से अधिक लोगों को अतिरिक्त रोजगार मिल सकता है।	**28, 29**	**5x1=5**

	(iv) स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए सरकार अधिक डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को रोज़गार देने की योजना बना रही है। (v) भारत सरकार शिक्षा क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए अधिक स्कूल बनाने और अधिक शिक्षक तथा गैर-शैक्षिक कर्मचारियों को नियुक्त कर रही है। (vi) केवल शिक्षा क्षेत्र में लगभग 20 लाख नौकरियाँ पैदा की जा सकती हैं। (vii) इन प्रयासों का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में आय और रोज़गार के अवसरों को बढ़ाना है तथा साथ ही समग्र विकास में भी योगदान देना है। (viii) सरकार बैंकों को स्टार्टअप कार्यक्रमों के लिए ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करती है। (ix) कोई अन्य संबंधित बिंदु। **किन्हीं पाँच बिंदुओं का वर्णन करना अपेक्षित है।** **अथवा** **(B) देश की अर्थव्यवस्था में द्वितीयक क्षेत्रक के महत्व का वर्णन कीजिए।** (i) द्वितीयक क्षेत्रक की गतिविधयों के अंतर्गत प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के जरिए अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। (ii) यहाँ वस्तुएँ सीधे प्रकृति से उत्पादित नहीं होती हैं बल्कि निर्मित की जाती हैं इसलिए विनिर्माण की प्रक्रिया अपरिहार्य है, यह प्रक्रिया किसी कारखाना, किसी कार्यशाला या घर में हो सकती है । (iii) यह क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र के कच्चे माल का उपयोग करता है, जैसे कपास के पौधे से प्राप्त रेशे का उपयोग कर हम सूत कातते और कपड़ा बुनते हैं। गन्ने को कच्चे माल के रूप में उपयोग कर हम चीनी और गुड़ तैयार करते हैं। (iv) यह प्राकृतिक पदार्थों को उपयोगी वस्तुओं में बदलता है, जैसे मिट्टी से ईंट बनाना और ईंटों से घर और भवनों का निर्माण करना । (v) चूँकि यह क्षेत्रक क्रमशः संवर्धित विभिन्न प्रकार के उद्योगों से जुड़ा हुआ है इसलिए इसे औद्योगिक क्षेत्रक भी कहा जाता है । (vi) समय के साथ-साथ निर्माण की नई तकनीकों का विकास हुआ और कारखानों का विस्तार होने लगा। (vii) पहले जो लोग खेती में काम करते थे, वे बड़ी संख्या में कारखानों में काम करने लगे, जिससे रोज़गार के अवसर बढ़ गए। (viii) जैसे-जैसे लोग कारखानों में बनी वस्तुओं का अधिक उपयोग करने लगे, द्वितीयक क्षेत्र धीरे-धीरे कुल उत्पादन और रोज़गार में सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया। इससे अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों के महत्व में परिवर्तन दिखाई देता है। (ix) जैसे-जैसे उद्योगों का विस्तार होता है, ये लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं, जिससे उनकी आय और उपभोग बढ़ता है और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में और वृद्धि होती है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । **किन्हीं पाँच बिंदुओं का वर्णन करना अपेक्षित है।**	**20, 23**	**5x1=5**
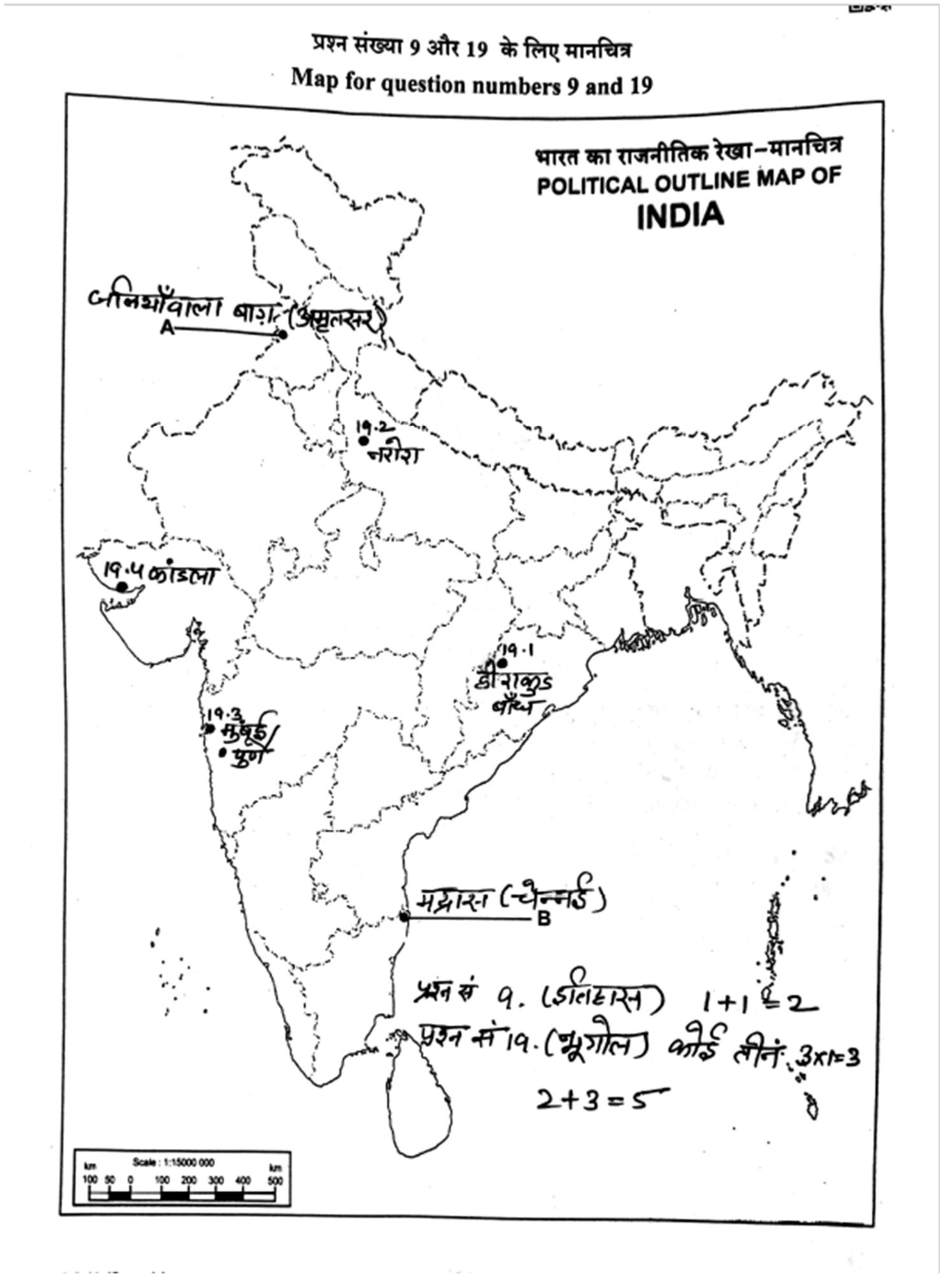
नोट : कृपया प्रश्न संख्या 9 और 19 के उत्तर के लिए संलग्न मानचित्र देखें ।